

याचिकाकर्ता नगर सुधार समिति, गांधी नगर की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि शासन ने 1984 से 1988 के बीच ग्राम बहेटा, वन ट्री हिल्स, बैरागढ़ में 100 प्लॉट आवंटित किए थे। अक्टूबर 1988 में कलेक्टर भोपाल ने समिति के पक्ष में रजिस्टर्ड लीज डीड भी निष्पादित की थी। समिति का कहना है कि 1990 से 52 3.75 लाख रुपये प्रीमियम और 18 हजार रुपये ग्रांड रेंट मांगा गया था। बाद में एसडीओ राजस्व ने छ मार्च, 2026 और कलेक्टर ने 13 मार्च 2026 को 2,53,39,950 रुपये शमन शुल्क मांगते हुए सामान्य लीज नवीनीकरण से इंकार कर दिया। समिति ने दोनों अधिकारियों के आदेश सहित दो जनवरी, 2024 के आदेश को चुनौती दी है।

एआई के संभावित खतरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया : वेम्बु

एजेंसी ►► चेन्नई

प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के संभावित खतरों को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और एआई के विकास पर वैश्विक स्तर पर रोक लगने की संभावना नहीं है। वेम्बु ने भारत से रणनीतिक विकल्प खुले रखने और विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में बड़े पैमाने पर निवेश करने का आग्रह किया। वेम्बु ने कहा कि भारत को एआई के क्षेत्र में स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और साझेदारियों का लाभ उठाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और चीन के बीच उभरती प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा में किसी एक पक्ष से बंधने से बचना चाहिए।

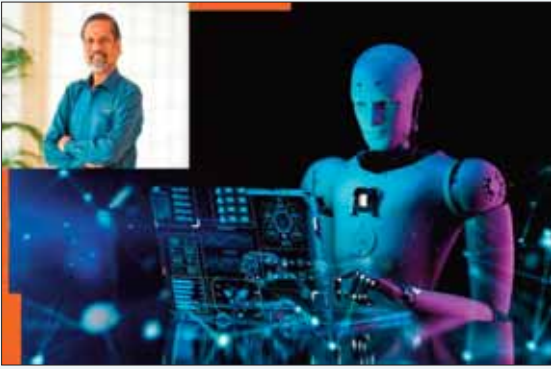
जोहो के सह-संस्थापक ने वैश्विक रोक को अव्यावहारिक बताया

सरकारें प्रौद्योगिकी के विकास में पीछे रहेंगी

विनियमन के बारे में वेम्बु ने कहा कि सरकारें संभवतः प्रौद्योगिकी के विकास से पीछे रहेंगी, जैसा कि पहले की प्रौद्योगिकियों के मामले में भी हुआ है। उन्होंने एआई के विकास की तुलना वाहन उद्योग के शुरुआती दौर से की, जब कारों का इस्तेमाल व्यापक होने के बाद लाइसेंस, गति सीमा और सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम बनाए गए थे।

अपने विकल्प खुले रखना चाहिए

जोहो के मुख्य वैज्ञानिक एवं सह-संस्थापक वेम्बु ने कहा, /"हमें सभी के साथ मित्रवत रहना चाहिए, किसी का दुश्मन नहीं बनना चाहिए और अपने विकल्प खुले रखने चाहिए। उन्होंने बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में व्यापक निवेश की जरूरत बताई और दीर्घकालिक वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं तथा वैश्विक कंपनियों द्वारा अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास और इस्तेमाल पर खर्च की जा रही बड़ी रकम के बीच अंतर बताया।



एआई मॉडल विकास के लिए बड़े निवेश की जरूरत नहीं

सह-संस्थापक ने कहा कि बुनियादी क्षमताएं विकसित करने के लिए अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास जितने बड़े निवेश की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, /"इस पर 10 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की जरूरत नहीं है और यह 10-20 करोड़ अमेरिकी डॉलर में किया जा सकता है।" वेम्बु ने कहा कि वह उन आशंकाओं से सहमत नहीं है कि एआई अनिवार्य रूप से मानवता का विनाश कर देगा।

रोक लगाने की मांग खारिज की

वेम्बु ने कहा कि इसका अर्थ यह है कि एआई के लिए नियामकीय व्यवस्था संभवतः प्रौद्योगिकी के साथ-साथ विकसित होगी, जरूरी नहीं कि उससे पहले तैयार हो। वेम्बु ने एआई के विकास पर दुनियाभर में रोक लगाने की मांग को भी खारिज किया।

कर्मचारियों को कौशल अपने पास रखना चाहिए

जोहो के सह संस्थापक ने कहा कि कर्मचारियों को महत्वपूर्ण कौशल अपने पास बनाए रखने चाहिए, न कि उन्हें एआई तंत्र के हवाले कर देना चाहिए। इस मुद्दे का शिक्षा और कार्यबल विकास पर व्यापक असर हो सकता है। एआई अल्पावधि में उत्पादकता बढ़ा सकता है।

खबर संक्षेप

एनटीपीसी ने 3,394 करोड़ का लाभाना किया भुगतान



नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने शेयरधारकों को 3,393.83 करोड़ रुपये के अंतिम लाभाना का भुगतान किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 में कुल लाभाना भुगतान 8,727 करोड़ रुपये हो गया है।

जिंदल सुपीम का शेयर 38 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। प्लास्टिक पाइप और इससे जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी जिंदल सुपीम इंडिया लिमिटेड का शेयर बुधवार को 93 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 38 प्रतिशत को बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 121.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 31 प्रतिशत अधिक है।

फाइजर नकली दवाओं के जांच में दें रहा सहयोग



नई दिल्ली। कर्नाटक खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की ओर से नकली दवाओं के प्रसार के खिलाफ की गई कार्रवाई पर दवा कंपनी फाइजर इंडिया ने कहा है कि मरीजों की सुरक्षा और उत्पादों की गुणवत्ता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नकली दवाओं के कथित वितरण और बिक्री के मामले में 16 खुदरा तथा थोक दवा विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए गए हैं।

हीरो मोटर्स पहले दिन 17 फीसदी चढ़कर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनी हीरो मोटर्स का शेयर कारोबार के पहले दिन बुधवार को कमजोर शुरुआत से उबरकर 17 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में कंपनी का शेयर 82.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 84 रुपये के निर्गम मूल्य से 2.26 प्रतिशत कम है। हालांकि बाद में शेयर 17.27 प्रतिशत बढ़कर 98.51 रुपये पर बंद हुआ।

एसएस रिटेल का शेयर 80 फीसदी उछलकर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। विभिन्न ब्रांड के मोबाइल फोन बेचने वाली एसएस रिटेल लिमिटेड का शेयर बुधवार को कारोबार के पहले दिन 424 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 51 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। अंत में 80 प्रतिशत से अधिक का अंतर के साथ बंद हुआ। बीएसई में शेयर 639.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 50.73 प्रतिशत अधिक है। यह 80.87 प्रतिशत बढ़कर 766.90 रुपये तक पहुंचा। अंत में शेयर 80.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.15 रुपये पर बंद हुआ।

जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर करीब सात प्रतिशत किया

एसएंडपी, फिच समेत चार एजेंसियों ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी और फिच, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) तथा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने बुधवार को भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर करीब सात प्रतिशत कर दिया है। एजेंसियों ने अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन और घरेलू मांग में मजबूती को इसका आधार बताया। इसके अलावा, एसएंडपी और फिच ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को चालू साल में नीतिगत दर रोपो को कम-से-कम 0.25 प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

मजबूत औद्योगिक गतिविधियों ने वृद्धि की गति दी

एसएंडपी ने कहा कि मजबूत औद्योगिक गतिविधियों, स्वस्थ खपत, वस्तुओं के मजबूत निर्यात और स्पर्कारी निवेश में तेजी जैसे कारकों ने आर्थिक वृद्धि को गति दी है। एसएंडपी ने कहा, "इसी कारण हमने 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान पहले के 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत किया गया है।"

खाड़ी युद्ध के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत: फिच

फिच ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है कि "2026 की पहली छमाही में अमेरिकी-ईरान युद्ध से लगे झटके के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है।" फिच के अनुसार, शेष वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि की गति धीमी पड़ने की संभावना है। इसके कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अवद्वार की मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है।

■ अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन रहा

■ घरेलू मांग में मजबूती को इसका आधार बताया गया

■ मुद्रास्फीति का दबाव नीतिगत दर बढ़ाने प्रेरित कर सकता है



फिच ने मुद्रास्फीति 5.5 रहने का लगाया अनुमान

फिच ने इस साल दिसंबर में मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। फिच ने अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि ऊर्जा की कीमतों में झटके के बावजूद वैश्विक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन वास्तविक ब्याज दरें बढ़ रही हैं। एजेंसी ने वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 0.20 प्रतिशत बढ़ाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया है।

दूसरे छमाही में वृद्धि की रफ्तार कम हो सकती है: एसएंडपी

हालांकि, उसने कहा कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार कम हो सकती है, क्योंकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को युक्तिसंगत बनाये जाने और आयकर में कटौती से मिलने वाला लाभ कम हो जाएगा। एसएंडपी ने कहा, "हमारा अनुमान है कि परिस्थितियां ऊंची ब्याज दरों के पक्ष में जाएंगी। इसके समर्थन में मजबूत वृद्धि, लगातार मुद्रास्फीति का दबाव, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और मौसम संबंधी जोखिम शामिल हैं।"

ये गांव है प्रकृति की इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना

नीचे नदी-सुरंग, ऊपर पुल मणि की तरह चमकता सूरज



नई दिल्ली। नीचे कल-कल बहती सरस्वती नदी और बीच में रहस्यमयी सुरंग, ऊपर चट्टान से बना पुल, पास में बना मंदिर, शायद ही आपने प्रकृति के ऐसे अजूबे के बारे में सुना हो। प्रकृति से बड़ा कोई इंजीनियर नहीं। पुल से ऊपर जाती सीढ़ियां, जहां से सूरज मणि की तरह की चमकता नजर आता है। सीढ़ियों के ऊपर एक ऐसी दुनिया है जिसकी सिर्फ लोग कल्पना ही कर सकते हैं। यहां पर विशाल मैदान-पट्ट पहाड़ और सिर्फ बादल नजर आते हैं। पूरे देश से लोग इस गांव को देखने आते हैं। यह गांव धरती का स्वर्ग कहलाता है। भीम पुल से शुरू होता है स्वर्गसिंहिणी मार्गः भीम पुल से स्वर्गसिंहिणी मार्ग शुरू होता है। यहां से 5 किलोमीटर की दूरी पर रहस्यमयी वसुंधारा झरना है। इस झरने के बारे में कहा जाता है कि इसका पानी पापी इंसान के ऊपर नहीं पड़ता. स्वर्गसिंहिणी मार्ग पर जैसे ही आगे बढ़ते हैं तो सबसे पहले दौपदी का मंदिर आता है। मान्यता के मुताबिक, स्वर्ग जाने समय दौपदी की ही मृत्यु हुई थी। स्वर्गसिंहिणी मार्ग पर जिस ओर से सूरज निकलता है, वहां पर कई जगह अंधेरा भी नजर आता है।

भीम ने दौपदी के पार जाने के लिए बनाया था पुल

उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम के पास देश के प्रथम गांव माणा बसा हुआ है। यह चमोली जिले में आता है। बद्रीनाथ से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां पर सरस्वती नदी के ऊपर एक विशाल चट्टान से बना प्राकृतिक पुल है जिसे भीम पुल कहा जाता है। मान्यता है कि इसे भीम ने दौपदी के पार जाने के लिए बनाया था। पुल के आसपास मंदिर-दुकानें हैं।

भारत का अनोखा फूल, खिलने में लगते हैं 12 साल

तिरुवनंतपुरम।भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है और इसकी वजह सिर्फ यहां की अलग-अलग भाषाएं और संस्कृतियां नहीं हैं। कश्मीर की बर्फीली वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री किनारों तक प्रकृति ने हर इलाके को अपने अलग रंग से सजाया है। कहीं ऊंचे पहाड़ हैं, कहीं घने जंगल, कहीं रेगिस्तान तो कहीं ऐसी घाटियां हैं, जहां पहुंचकर लगता है जैसे प्रकृति ने खुद कोई खूबसूरत तस्वीर बना दी हो। इन्हीं कुदरती नजारों के बीच केरल की पहाड़ियों में एक ऐसा फूल खिलता है, जिसका इंतजार लोगों को पूरे 12 साल तक करना पड़ता है। नाम है नीलकुरिजी।

केरलम की पहाड़ियों में मिलता है ये फूल

केरलम को 'इश्वर का अपना देश' कहा जाता है। यहां समुद्र, झरने, जंगल और पहाड़ मिलकर इसे बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इसी राज्य में बसा है मुन्नार, जो समुद्र तल से करीब 1600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मुन्नार घाट, कोंफी और मसालों के बागानों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवा, हरियाली और पहाड़ियों का नजारा हर साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। लेकिन, मुन्नार की पहचान सिर्फ इन चीजों तक ही नहीं है। यहां एक ऐसा फूल भी खिलता है, जो इस जगह को बाकी हिल स्टेशनों से अलग बना देता है। यह फूल है नीलकुरिजी, जो अपनी दुर्लभता और खूबसूरती के लिए जाना जाता है।

वो गांव, जहां हर घर में बनते हैं खिलौने, दुनियाभर में इसकी धूम

बेंगलुरु। प्लास्टिक और डिजिटल गैजेट्स के आधुनिक युग में कर्नाटक का एक छोटा सा कस्बा आज भी भारत की प्राचीन हस्तशिल्प परंपरा की मशाल को रोशन किए हुए है। बेंगलुरु से मैसूर राजमार्ग पर लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चन्नपटना को दुनिया भर में 'खिलौनों का शहर' के नाम से जाना जाता है। लगभग तीन शताब्दियों पुरानी इस अद्भुत कला को यहां की मावी पीढ़ियों ने न केवल संभाल कर रखा है, बल्कि इसे गांव के हर दूसरे घर की प्राथमिक आजीविका का जरिया भी बना दिया है। 2006 में चन्नपटना के लकड़ी के खिलौनों की भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्रदान किया गया था, जिसने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई। चन्नपटना की इस बेमिसाल काफ़ट कला का इतिहास 18वीं सदी में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के शासनकाल से जुड़ता है। एतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, टीपू सुल्तान फारसी कला और हस्तशिल्प के मुरीद थे। उन्होंने अपने दौरे में फारस (आधुनिक ईरान) से कुशल कारीगरों को आमंत्रित किया था, ताकि वे स्थानीय कारीगरों को लकड़ी पर लैकवेयर (लाक) की कौटिग करने और उस पर बारीक नक्काशी का शिल्प सिखा सकें। उस्ताद बावास मिया को इस पारंपरिक लकड़ी कला को चन्नपटना में स्थापित करने और स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने का श्रेय दिया जाता है। आज इस कस्बे में 1500 से भी अधिक पंजीकृत कारीगर दिन-रात इन पारंपरिक खिलौनों के निर्माण में जुटे हुए हैं। स्थानीय कला को वैश्विक बाजार से जोड़ने और कारीगरों की आजीविका को आधुनिक आधार देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा 'चन्नपटना काफ़्ट्स पार्क' की स्थापना की गई है। इस पार्क में 15 से अधिक आधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट यूनिट्स का एक सुसंगठित प्लस्टर मौजूद है, जो कारीगरों को बेहतर डिजाइनिंग, लेथ मशीनों और अंतरराष्ट्रीय निर्यात के अवसर मुहैया कराता है।

बेंगलुरु। प्लास्टिक और डिजिटल गैजेट्स के आधुनिक युग में कर्नाटक का एक छोटा सा कस्बा आज भी भारत की प्राचीन हस्तशिल्प परंपरा की मशाल को रोशन किए हुए है। बेंगलुरु से मैसूर राजमार्ग पर लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चन्नपटना को दुनिया भर में 'खिलौनों का शहर' के नाम से जाना जाता है। लगभग तीन शताब्दियों पुरानी इस अद्भुत कला को यहां की मावी पीढ़ियों ने न केवल संभाल कर रखा है, बल्कि इसे गांव के हर दूसरे घर की प्राथमिक आजीविका का जरिया भी बना दिया है। 2006 में चन्नपटना के लकड़ी के खिलौनों की भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्रदान किया गया था, जिसने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई। चन्नपटना की इस बेमिसाल काफ़ट कला का इतिहास 18वीं सदी में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के शासनकाल से जुड़ता है। एतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, टीपू सुल्तान फारसी कला और हस्तशिल्प के मुरीद थे। उन्होंने अपने दौरे में फारस (आधुनिक ईरान) से कुशल कारीगरों को आमंत्रित किया था, ताकि वे स्थानीय कारीगरों को लकड़ी पर लैकवेयर (लाक) की कौटिग करने और उस पर बारीक नक्काशी का शिल्प सिखा सकें। उस्ताद बावास मिया को इस पारंपरिक लकड़ी कला को चन्नपटना में स्थापित करने और स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने का श्रेय दिया जाता है। आज इस कस्बे में 1500 से भी अधिक पंजीकृत कारीगर दिन-रात इन पारंपरिक खिलौनों के निर्माण में जुटे हुए हैं। स्थानीय कला को वैश्विक बाजार से जोड़ने और कारीगरों की आजीविका को आधुनिक आधार देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा 'चन्नपटना काफ़्ट्स पार्क' की स्थापना की गई है। इस पार्क में 15 से अधिक आधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट यूनिट्स का एक सुसंगठित प्लस्टर मौजूद है, जो कारीगरों को बेहतर डिजाइनिंग, लेथ मशीनों और अंतरराष्ट्रीय निर्यात के अवसर मुहैया कराता है।



खिलता है तो बदल जाता है पूरा नजारा

नीलकुरिजी की सबसे खास बात इसका खिलने का चक्र है। यह फूल करीब 12 साल में एक बार खिलता है। यानी अगर किसी ने इसे एक बार देखा, तो अगली बार उसी नजारे को देखने के लिए उसे लगभग 12 साल इंतजार करना पड़ सकता है। केरलम में इसे आमतौर पर 'कुरिजी' कहा जाता है। यह स्ट्रोबिलेथिस समूह से जुड़ा पौधा है। इस समूह की भारत में कई प्रजातियां पाई जाती हैं और सभी के फूल खिलने का समय एक जैसा नहीं होता। कुछ प्रजातियां कुछ साल के अंतराल पर खिलती हैं, जबकि कुछ की इससे भी ज्यादा समय लगता है। नीलकुरिजी का लंबा अंतराल ही इसे इतना खास बनाता है।

नीलकुरिजी के लिए बनाया गया खास संरक्षित क्षेत्र

नीलकुरिजी का प्राकृतिक आवास लगातार कम होने की वजह से इसके संरक्षण की जरूरत महसूस की गई। इसी उद्देश्य से केरल में कुरिजीमाना सैक्चुरेरी बनाया गया। साल 2006 में करीब 32 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को नीलकुरिजी के संरक्षण के लिए सुरक्षित किया गया था। यह इलाका मुन्नार से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां नीलकुरिजी की विभिन्न प्रजातियों और उनके प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने की कोशिश की जाती है। इसके संरक्षण में स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ताओं और कई अभियानों की भी भूमिका रही है।

मूल से भी न करें इसे तोड़ने की गलती!

1266 लोगों ने खुद के दम पर बनाई संपत्ति

इस क्षेत्र से 19 लोग सूची में शामिल हुए, जिनकी कुल संपत्ति 3.07 लाख करोड़ रुपये है। बेंगलुरु की क्यूपीआईईआई के संस्थापक नागेन्द्र नागराजा 1,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में शामिल होने वाले पहले क्वांटम कंप्यूटिंग उद्यमी बने। सूची में उद्यमियों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। कुल 1,266 लोग खुद के दम पर संपत्ति बनाने वाले हैं।

रोशनी नादर बनी सबसे अमीर महिला

रोशनी नादर मल्होत्रा और परिवार 2.79 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देश की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। इस सूची में भारत से बाहर रहने वाले 156 लोग भी शामिल हैं, जिनमें 90 अमेरिका और 31 संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहते हैं। वर्युपिड के आदित्य कुमार हलवाईया की संपत्ति में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। उनकी संपत्ति 859 प्रतिशत उछलकर 18,800 करोड़ रुपये हो गई।

साल भर में अरबपतियों की संख्या 391 हुई

इन धनवान भारतीयों की कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 187.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो करीब 1.96 लाख करोड़ डॉलर के बराबर है। हुरुन के मुताबिक, देश में डॉलर के हिसाब से अरबपतियों की संख्या साल भर में 21 बढ़कर 391 हो गई है। पांच साल पहले यह संख्या 237 थी। इस सूची में पहली बार कुत्रिम मेधा (एआई) की अलग क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

कटाये घाट एवं अमीरगंज तालाब में गणेश विसर्जन प्रतिबंधित

कटनी। गणेश विसर्जन को लेकर प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए कटाये घाट एवं अमीरगंज तालाब में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रतिबंधित किया है। यहां नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट श्रीमती आर्वतिका तिवारी तथा सहयोगी अधिकारी जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिल गणकार और जिला परियोजना समन्वयक प्रेम नारायण तिवारी की इयूटी लगाई गई है। सभी विसर्जन स्थलों पर सहयोगी अधिकारियों की इयूटी प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे, दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तथा शाम 7 बजे से प्रतिमा विसर्जन समाप्त होने तक अलग-अलग पालियों में निर्धारित की गई है।

जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी 26 को

कटनी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित भारत की संकल्पना पर शनिवार, 26 सितंबर को दोपहर 12 बजे से सांदीपनि विद्यालय झिंडसरी में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आयोजन की तैयारियों के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर अधिकारियों-कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमया असाटी को दी गई है। प्रदर्शनी स्थल की व्यवस्था प्राचार्य अजयशंकर पाण्डेय एवं प्राचार्य श्रीमती अनीता तिवारी संभालेंगी। प्रतिभागियों के पंजीयन एवं प्रमाण-पत्र लेखन का दायित्व बीआरसी मनोज गौतम सहित संबंधित सदस्यों को सौंपा गया है। मंच, बैठक, साउंड एवं अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित समितियों द्वारा की जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी सदस्यों को सेवा संकल्प अभियान के जिला नोडल अधिकारी श्री राजेश अग्रहार से सम्बन्ध कर आयोजन सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

अनंत चतुर्दशी एवं पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस पर मांसाहारी पदार्थों का विक्रय रहेगा प्रतिबंधित

कटनी। शासन निर्देशानुसार शुक्रवार 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी एवं पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस होने के कारण नगर निगम सीमा क्षेत्र में मांसाहारी पदार्थों का क्रय-विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नगर निगम उपायुक्त श्रीमती प्रियंका झारिया ने बताया कि शासन निर्देशों के अनुपालन में 25 सितंबर को मुर्गा, मुर्गी, मांस एवं मछली सहित सभी प्रकार के मांसाहारी पदार्थों का विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में नगर के समस्त संबंधित व्यवसायियों एवं नागरिकों को निर्धारित तिथि पर मांसाहारी पदार्थों का क्रय-विक्रय न करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित दिवस पर आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं दुकानद्वारों के विरुद्ध निगमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फौती नामांतरण आदेश का अमल नहीं करने पर पटवारी का एक वेतन वृद्धि रोकी

कटनी मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कच्छवारा में आयोजित शिविर में कलेक्टर के समक्ष प्राप्त शिकायत की जांच के कलेक्टर के निर्देश पर के बाद जांच के दौरान पाया गया कि पटवारी द्वारा फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं किया गया है। इसे लापरवाही मानते हुये तहसील कटनी नगर के ग्राम पटवारा के हल्का नंबर 10 की पटवारी श्रीमती राबिया बानो का आगामी एक वेतनवृद्धि असंवयी प्रभाव से रोक दिया गया है। तहसीलदार कटनी नगर के प्रतिवेदन के अनुसार नायब तहसीलदार वृत्त मझगांव, तहसील कटनी नगर अंतर्गत आवेदक मनोज कुमार भूमिया पिता रामबिहारी भूमिया ने ग्राम पटवारा स्थित खसरा नंबर 576, 246 एवं 247 में दर्ज खातेदार रामबिहारी भूमिया की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं होने की शिकायत की थी। जांच में अंतिम आदेश पारित होने के बावजूद अभिलेख में उसका अमल नहीं किया जाना पाया गया। पटवारी का कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आवरण) नियम, 1965 के नियम 3(1), 3(2) एवं 3(3) का उल्लंघन पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 10 के तहत एसडीएम कटनी श्री जितेंद्र पटेल ने उनकी आगामी एक वेतनवृद्धि असंवयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

धान की फसल में रोग के नियंत्रण एवं प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग

कटनी

धान की फसल में फैल रहे भूरा माहू (बीपीएच) रोग से किसानों को होने वाले नुकसान एवं फसल सुरक्षा को लेकर जिला पंचायत के वरिष्ठ सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय गोठिया ने कलेक्टर आशीष तिवारी को पत्र सौंपा। उन्होंने किसानों की गंभीर समस्या को कलेक्टर के समक्ष रखते हुए रोग के प्रभावी नियंत्रण, प्रभावित फसलों के सर्वेक्षण तथा किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किए जाने की मांग की। पत्र के माध्यम से धान उत्पादक किसानों की चिंताओं से अवगत कराते हुए कहा कि भूरा माहू रोग के कारण किसानों की मेहनत और कृषि लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर आवश्यक



कृषि मार्गदर्शन एवं कीट नियंत्रण संबंधी उपाय उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। उन्होंने कलेक्टर से प्रभावित क्षेत्रों में धान की फसल का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण कराकर आवश्यक नियंत्रण उपाय सुनिश्चित करने तथा पात्र प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों के हित में प्रशासन से समन्वय स्थापित कर समस्या के शीघ्र निराकरण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे जिले के धान उत्पादक किसानों को राहत मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेमलाल केवट, घनश्याम हल्दकर, राजेश हल्दकार एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मेरे सपनों का भारत विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कटनी

शासकीय कन्या महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत “मेरे सपनों का भारत” विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह के संयोजन में हुआ। प्रतियोगिताओं में केंद्र सरकार की महिला हितैषी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता से शामिल किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार, सुरक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मेधा, द्वितीय स्थान तनिशा सोनखरे, भूमि बैरागी एवं रूकमणी लोधी तथा तृतीय स्थान मनीषा



अहिरवार, नैनशी पटेल एवं साक्षी चक्रवर्ती ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रशिका राज, द्वितीय स्थान रेशमा पासी और

तृतीय स्थान सृष्टि सेन ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को महिलाओं के हित में संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा उनके संबंध में समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ

छात्राओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनमें सामाजिक जागरूकता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करती हैं। एनएसएस प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह ने छात्राओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़कर सेवा एवं जागरूकता गतिविधियों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता के संदेश के साथ सड़कों पर निकली जागरूकता रैली, जनभागीदारी ने बढ़ाया उत्साह



कटनी

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शहर में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बाबू जगजीवन वाई स्थित एनकेजे बजरिया में ओम साईं

विजन संस्था द्वारा स्वच्छता जनजागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली के माध्यम से स्थानीय नागरिकों के बीच स्वच्छता का संदेश पहुंचाया गया। रैली में शामिल नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए

लोगों को अपने घर, गली और आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने और स्वच्छता व्यवस्था

बनाए रखने में सहयोग करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनभागीदारी से ही स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित शहर का निर्माण संभव है।

नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें, कचरा इधर-उधर न फेंकें तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग निर्धारित कचरा संग्रहण वाहन में दें। सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के साथ स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर स्वच्छ एवं सुंदर कटनी के निर्माण में सहयोग करें।

कटनी

जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अनधिकृत एवं व्यावसायिक उपयोग की रोकथाम के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति विभाग ने बुधवार को नगर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई में संयुक्त जांच दल ने दो प्रतिष्ठानों से 8 घरेलू सिलेंडर एवं 2 चूल्हा-भट्टी जब्त किया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने कोतवाली के सामने स्थित श्री गणेश मसाला डोसा तथा मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-01 स्थित फूड प्लाजा रेलवे कैटीन का निरीक्षण किया। दोनों प्रतिष्ठानों में 14.2 किलोग्राम क्षमता के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग खाद्य सामग्री तैयार करने में किया जाना पाया गया। कार्रवाई के दौरान श्री गणेश मसाला डोसा से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी तथा फूड प्लाजा रेलवे कैटीन से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी जब्त की गई। घरेलू एलपीजी



सिलेंडरों का निर्धारित प्रयोजन के विपरीत व्यावसायिक उपयोग द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (अर्पूति) और वितरण का विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। छापामार कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी यज्ञदत्त त्रिपाठी

एवं जितेन्द्र बर्मन तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार एवं नागेश्वर श्रीवास द्वारा संयुक्त रूप से की गई। विभाग ने स्पष्ट किय है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग सुनिश्चित करने तथा घरेलू एलपीजी के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

54.84 बल्क लीटर मदिरा जब्त, आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

कटनी

जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग ने स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कौड़िया में कार्रवाई करते हुए 54.84 बल्क लीटर देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त की है। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 60 हजार 342 रुपये है। आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम कौड़िया निवासी आकाश उर्फ शुभम दुबे के रिहायशी मकान की गवाहों के समक्ष विधिवत तलाशी ली। जांच के दौरान सिगनेचर व्हिस्की 12 बोतल, मैकडावल व्हिस्की 13 बोतल, ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की 12 बोतल, मैजिक मूवमेंट बोदका जामुन 9 बोतल, गोवा व्हिस्की 63 पाव, देशी मसाला 20 पाव एवं देशी प्लेन 30 पाव बरामद हुई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।



कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी मंशाराम उड्के, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सूर्यभान कोरी एवं प्रवीण रतन वरकडे,

परिवीक्षाधीन आबकारी उप निरीक्षक सीमा कोल, आबकारी मुख्य आरक्षक राजेश गोंठिया एवं किशन लाल बरदिया तथा

आबकारी आरक्षक अनुराग शर्मा, आशुतोष तिवारी, जितेंद्र त्रिपाठी एवं रविराज की भूमिका रही।

